

हिक्रिया स्त्री. (तत्.) रँभाने या हँकारने का शब्द।

हिंग स्त्री. (तद्.) हींग पुं. (तत्.) एक प्राचीन जनपद।

हिंगनबेर पुं. (देश.) इंगुदी का फल, हिंगोट।

हिंगलाज स्त्री. (तत्.) 1. 'हिंगुल' प्रदेश की एक देवी दे. हिंगुल 2. 'हिंगुल' प्रदेश में स्थित पर्वतश्रेणी।

हिंगली स्त्री. (देश.) एक प्रकार का तंबाकू।

हिंगाष्टक चूर्ण पुं. (तद्.) दे. हिंगवाष्टक चूर्ण।

हिंगु स्त्री. (तत्.) हींग।

हिंगुक पुं. (तत्.) वह वृक्ष जिससे हींग प्राप्त की जाती है।

हिंगुपत्र पुं. (तत्.) 1. 'हिंगुक' नामक वृक्ष 2. उक्त वृक्ष का पत्ता।

हिंगुल पुं. (तत्.) 1. सिंदूर नामक पदार्थ 2. ईंगुर टि. 'सिंदूर' केशरिया रंग का होता है तथा पारे का मिश्रण होने के कारण भारी होता है जबकि ईंगुर लाल रंग का एक खनिज पदार्थ है, दोनों ही सौभाग्य के प्रतीक माने जाते हैं, सधवा स्त्रियाँ इन्हें माँग में भरती हैं।

हिंगुला पुं. (तत्.) वर्तमान सिंध एवं बलूचिस्तान के बीच में स्थित एक विशेष क्षेत्र।

हिंगुलाजा स्त्री. (तत्.) 'हिंगुला' प्रदेश की प्रसिद्ध देवी।

हिंगोट पुं. (देश.) एक ओषधीय वृक्ष, इंगुदी वृक्ष।

हिंगवाष्टक चूर्ण पुं. (तत्.) आयु. शुद्ध हींग के साथ सात अन्य ओषधियाँ मिलाकर बनाया गया विशेष चूर्ण जो पाचन क्रिया को नियमित करता है।

हिंच पुं. (तत्.) 1. चोट, आघात 2. खिंचाव 3. झटका।

हिंचना अ.क्रि. (अर.) 1. खिंचना 2. पीछे की ओर हटना, झटका खाना।

हिंछना अ.क्रि. (तद्.>इच्छन) चाहना, इच्छा करना

हिंछा स्त्री. (तद्.>इच्छा) किसी वस्तु को प्राप्त करने की भावना, इच्छा, कामना, चाह।

हिंडक वि. (तत्.) घूमने वाला, भ्रमणशील।

हिंडिक पुं. (तत्.) ज्योतिषी जो फलादेश करता हो।

हिंडी स्त्री. (तत्.) देवी दुर्गा का एक नाम।

हिंडी-बादाम पुं. (देश.+फा.) 1. अंदमान में होने वाला एक वृक्ष, जिसके बीज तैलीय होते हैं तथा जिसके तने से एक विशेष प्रकार का गोंद प्राप्त होता है 2. उक्त वृक्ष के फल या बीज।

हिंडीर पुं. (तत्.) 1. समुद्रफेन टि. वस्तुतः यह एक समुद्री मछली की हड्डी होती है 2. अनार।

हिंडुक पुं. (तत्.) शिव का एक नाम।

हिंडोर पुं. (तद्.) झूला।

हिंडोरना पुं. (तद्.>हिंदोल) दे. हिंडोर।

हिंडोल पुं. (तद्.>हिंदोल) 1. दे. हिंडोला 2. संगी. एक विशेष राग टि. ऐसी अनुश्रुति है कि इस राग को शुद्ध रूप से गाए जाने पर झूले अपने आप चलने लगते हैं।

हिंडोलना पुं. (तद्.) छोटा झूला।

हिंडोला पुं. (तद्.>हिंदोल) एक बड़ा झूला, जिसमें बैठने के लिए चौखटनुमा स्थान बना होता है तथा जो चक्राकार घूमता है।

हिंडोली स्त्री. (तत्.) एक रागिनी जो हिंडोल राग की प्रिया कही जाती है।

हिंताल पुं. (तत्.) खजूर की प्रजाति का एक वृक्ष जो दर्शनीय होता है तथा शोभा के लिए लगाया जाता है।

हिंद पुं. (फा.) भारत।

हिंदवाना पुं. (फा.) 1. तरबूज 2. खरबूजा।

हिंदी स्त्री. (फा.) 1. भारत की भाषा जिसका मूल स्रोत संस्कृत है तथा अपभ्रंश के विभिन्न रूपों से इस भाषा का विकास हुआ है 2. भारतीय 3. भारत की राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा वि. भारत से संबंधित, भारत का।

हिंदीरेवंद पुं. (फा.) चिकि. एक ओषधीय पौधा जिसकी जड़ ओषधि के रूप में प्रयुक्त होती है